

प्रेषक,

श्याम सिंह,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 21 सितम्बर 2015

विषय: वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-27 के अंतर्गत आयोजनागत पक्ष में राज्य सेक्टर की योजना "औषधीय पौधों का संरक्षण, संवर्द्धन" हेतु राजस्व पक्ष में द्वितीय किस्त एवं पूंजीगत पक्ष में धनावंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन उत्तराखण्ड के पत्र संख्या नि0-2309/3-5(औषधीय पौध रोपण) दिनांक 08.05.2015 एवं संख्या-नि0 135/3-5 (औषधीय पौध रोपण) दिनांक 20.07.2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-27 के अंतर्गत आयोजनागत पक्ष में राज्य सेक्टर की योजना "औषधीय पौधों का संरक्षण, संवर्द्धन" हेतु निम्न तालिका में अंकित विवरणानुसार ₹80.00 लाख (रुअस्सी लाख मात्र) की धनराशि अवमुक्त कर व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

अनुदान संख्या-27

आयोजनागत

(धनराशि हजार ₹ में)

क्र.स.	लेखा शीर्षक/योजना का नाम	आवंटित धनराशि
1	राजस्व लेखा	
	2406-वानिकी तथा वन्य जीवन	
	01-वानिकी	
	102-समाज तथा फार्म वानिकी	
	06-औषधीय पौधों का संरक्षण, संवर्द्धन	
	42-अन्य व्यय	
	योग राजस्व लेखा	500
2	पूंजी लेखा	500
	4406-वानिकी और वन्य जीवन पर पूंजीगत परिव्यय	
	01-वानिकी	
	102-समाज तथा फार्म वानिकी	
	03-औषधीय पौधों का संरक्षण, संवर्द्धन	
	24-वृहद निर्माण कार्य	
	योग पूंजी लेखा	7500
	कुल योग	7500
		8000

(रुअस्सी लाख मात्र)

1. पूंजीलेखा पक्ष में आवंटित धनराशि का व्यय उपरोक्त सन्दर्भित पत्र दि. 20.07.15 में प्रदर्शित वित्तीय/भौतिक लक्ष्यों के अनुसार ही किया जाए यदि अपरिहार्य परिस्थिति में उक्त लक्ष्यों में परिवर्तन किया जाना हो तो शासन की सहमति उपरान्त ही लक्ष्य संशोधित किये जायेंगे।
2. धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश सं0-400/XXVII(1)/2015 दि0 01.04.15 के दिशा-निर्देशों एवं प्रतिबन्धों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जाये।

3. अवमुक्त की जा रही धनराशि से मात्र योजना से सम्बन्धित कार्य ही कराया जाना सुनिश्चित करें एवं ऐसे कार्य न कराए जिन हेतु राज्य सैक्टर में अलग से योजना उपलब्ध हैं, यदि योजना से इतर कार्यों को कराना पाया गया तो इस हेतु सम्बन्धित अधिकारी उत्तरदायी होगा।
4. कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि सम्बन्धित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत/कराया न हो।
5. बजट प्राविधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
6. योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त करने उपरान्त ही कार्य किये जाय।
7. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
8. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृतियों से कराये जाने वाले कार्यों की सूचना सुराज, भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं जन सेवा विभाग उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं०-638/XXX-1-12(25) 2011, दिनांक 8 दिसम्बर, 2011 द्वारा अपेक्षित राज्य सरकार की वेबसाइट www.ua.nic.in तथा विभाग की वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से प्रकाशित की जायेगी और उन्हें समय-समय पर अध्यावधिक किया जायेगा।

2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के स्वीकृत आय-व्ययक के सापेक्ष अनुदान संख्या-27 के आयोजनागत पक्ष में उपरोक्त तालिका में वर्णित लेखाशीर्षक की सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा। कम्प्युटरीकृत अलोटमेंट आई०डी०- S1509270157 दिनांक 19.09.2015 संलग्न है।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा०प०सं०-61(P)/XXVII(4)/2015-16 दि० 18 सितम्बर, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोक्त।


भवदीय,

(श्याम सिंह)
उप सचिव

संख्या-2612/X-2-2015-12(25)/2012 तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार(ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
3. प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
7. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून।
8. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून।
- ✓ 9. एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।


(श्याम सिंह)
उप सचिव

HOD Name - Principal Chief Conservator of Forest (4260)

- 1: लेखा शीर्षक 2406 - वानिकी तथा वन्य जीवन 01 - वानिकी
102 - समाज तथा फार्म वानिकी 06 - औषधीय पौधों का संरक्षण, संवर्द्धन
00 - रोजगार परक वृक्षारोपण योजना- टेक्सस बकाटा, च्यूर

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
15 - गाड़ियों का अनुरक्षण और पेड़	125000	0	125000
29 - अनुरक्षण	1000000	0	1000000
42 - अन्य व्यय	0	500000	500000
44 - प्रशिक्षण व्यय	125000	0	125000
	1250000	500000	1750000

- 2: लेखा शीर्षक 4406 - वानिकी और वन्य जीवन पर पूंजीगत परिव्यय 01 - वानिकी
102 - समाज तथा फार्म वानिकी 03 - औषधीय पौधों का संरक्षण, संवर्द्धन
00 - संरक्षण, संवर्द्धन

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
24 - वृहत् निर्माण कार्य	0	7500000	7500000
	0	7500000	7500000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes - 8000000

